लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3677
दिनांक 17.12.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

हथकरघा उद्योग का विकास

3677. श्रीमती रुचि वीराः

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा देश में हथकरघा उद्योग के विकास के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं:

(ख) सरकार द्वारा देश में, विशेषकर उत्तर प्रदेश में यार्न आपूर्ति योजना के अंतर्गत बुनकरों को कितनी राजसहायता दी जा रही है; और

(ग) विगत पांच वर्षों और बर्तमान वित्त वर्ष के दौरान उत्तर प्रदेश के कितने जिलों में बुनकरों को यार्न आपूर्ति योजना के अंतर्गत राजसहायता का लाभ दिया जा रहा है और कितनी राजसहायता प्रदान की गई है?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क): वस्त्र मंत्रालय हथकरघा को बढ़ावा देने और हथकरघा बुनकरों के कल्याण के लिए उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में (i) राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) और (ii) कच्चा माल आपूर्ति योजना (आरएमएसएस) जिसे पहले यार्न आपूर्ति योजना (वाईएसएस) के रूप में जाना जाता था, जैसी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं को कार्यान्वित कर रहा है। इन योजनाओं के अंतर्गत पात्र हथकरघा एजेंसियों/बुनकरों को कच्चा माल, उन्नत करघे एवं सहायक उपकरण की खरीद, सोलर लाइटिंग यूनिट्स, वर्कशेड के निर्माण, कौशल, उत्पाद एवं डिजाइन विकास, तकनीकी एवं सामान्य अवसंरचना, मार्केटिंग, बुनकर मुद्रा योजना के अंतर्गत रियायती ऋण और सामाजिक सुरक्षा, पुरस्कार प्राप्त बुनकरों को विकट परिस्थितियों में भुगतान आदि के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, मान्यता प्राप्त वस्त्र संस्थानों आदि में डिप्लोमा/स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में अध्ययन के लिए हथकरघा बुनकरों/कामगारों के बच्चों को छात्रवृत्ति के रूप में प्रति वर्ष प्रति बच्चा (2 बच्चों तक) अधिकतम 2.00 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता।

(ख) और (ग): पिछले पांच वर्षों और चालू वर्ष के दौरान देश और उत्तर प्रदेश में हथकरघा बुनकरों को आरएमएसएस के तहत दी गई मूल्य सब्सिडी का विवरण इस प्रकार है:

(राशि- लाख रूपये में)

वर्ष	मूल्य सब्सिडी की राशि	
	पूरे देश में	उत्तर प्रदेश में
2024-25 (नवंबर, 2024 तक)	7,877	98
2023-24	12,807	179
2022-23	11,512	210
2021-22	6,160	106
2020-21	3,094	63
2019-20	3,657	58
कुल	45,107	714

****